# दक्षिण भारत में तितलियों का प्रवास

## प्रिलिम्स के लिये:

तितलियों का प्रवास, तितली की प्रजातियाँ

## मेन्स के लिये:

दक्षिण भारत में तितलियों का प्रवास

## चर्चा में क्यों?

दक्षिण भारत में पूर्वी घाट की पहाड़ियों से पश्चिमी घाट की ओर तितलियों का वार्षिक प्रवास देखने को मिलता है, परंतु इस वर्ष का प्रवास निर्धारित समय से पूर्व देखने को मिला है।

## प्रमुख बिंदु:

- तितलियों में अक्तूबर-नवंबर में होने वाला प्रवास इस बार तय समय से पूर्व जुलाई, अगस्त में देखने को मिला है।
- वर्षा प्रतिरूप में बदलाव, अच्छी धूप के दिनों की संख्या में वृद्धि, फीडिंग ग्राउंड (भोजन के अनुकूल क्षेत्र), तितलियों की संख्या में प्रस्फोट जैसे कारकों को समय पूर्व तितली प्रवास के कारणों के रूप में माना जा रहा है।

## दक्षिण भारत में तितलियों का प्रवास:

- आमतौर पर तितलियों में प्रवास के दो प्रारूप देखने को मिलते हैं:

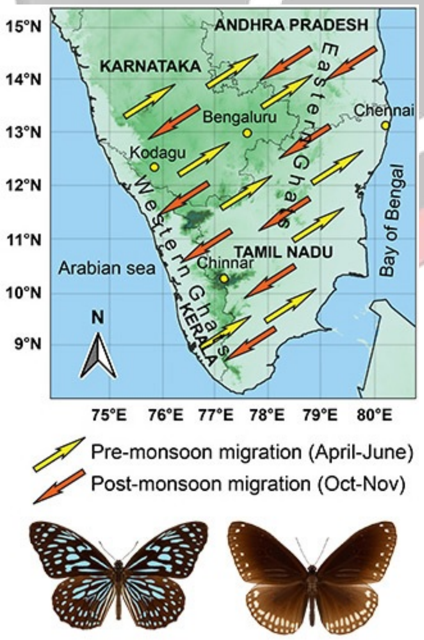


//

**प्रथम (मैदानों से घाटों की ओर):**

- दक्षणि भारत में इस प्रकार का प्रवास उत्तर-पूर्व मानसून की शुरुआत के साथ अक्तूबर-नवंबर में देखने को मलिता है।
- इसे उत्तर-मानसून प्रवास के रूप में भी जाना जाता है।

**द्वतीय (घाटों से मैदानों की ओर):**

- इस प्रकार का प्रवास दक्षणि-पश्चमि मानसून के आगमन से ठीक पहले, अप्रैल-जून में देखने को मलिता है।
- इस समय के प्रवास का ततिलियों के प्रजनन के लयि बहुत महत्त्व है।

## ततिली प्रवास मार्ग:

- पूर्वी घाट की पहाड़ियों जसिमें शेवारॉय, पचमलाई, कोल्ली, कलवारायण शामलि हैं, इन प्रवासी ततिलियों के प्रवास का मूल स्थान है।
- इन ततिलियों का प्रवास पूर्वी घाट से नीलगरि, अन्नामलाई टाइगर रज़िर्व और पालनी पहाड़ियों की ओर देखने को मलिा है।
- एक अन्य ततिली-प्रवास मार्ग कोयंबटूर ज़लिे (तमलिनाडु) में पश्चमिी घाट की पहाड़ियों के समानांतर देखने को मलिा है।

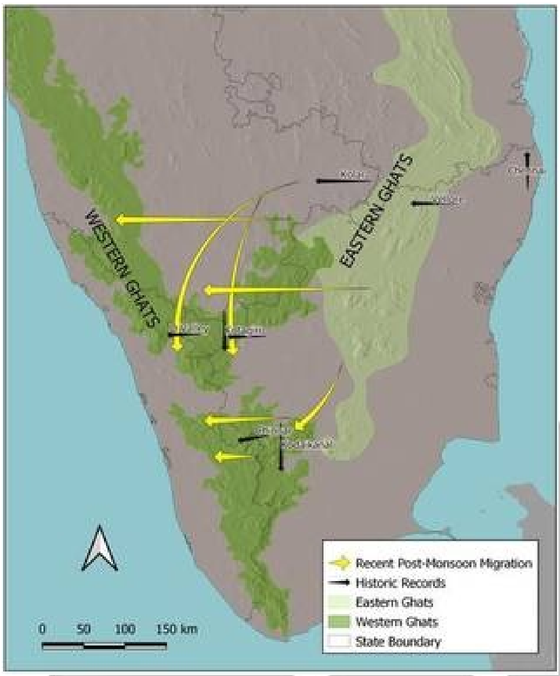


## प्रवास में शामलि ततिली की प्रजातयिाँ:

- प्रवास मुख्यत: दूधयिा ततिली (Milkweed butterflies) से संबंधति चार प्रजातयिों में देखने को मलिता हैं:
  - डार्क ब्लू टाइगर (Dark Blue Tiger)
  - ब्लू टाइगर (Blue Tiger)
  - कॉमन क्रो (Common Crow)
  - डबल-ब्रांडेड (Double-branded) (जसिे सामान्यत: टाइगर और क्रो के रूप में जाना जाता है)।
- इन ततिलियों के अलावा लाइम स्वोल्टेल, लेमन पैंसी, कॉमन लेपर्ड, ब्लू पैंसी, कॉमन इमग्रिेंट और लेमन इमग्रिेंट जैसी प्रजातयिाँ भी प्रवास में शामलि हैं, लेकनि उनकी संख्या बहुत कम होती है।

## नष्किर्ष:

- दक्षणि भारत के अनेक क्षेत्रों में ततिलियों में समय पूर्व प्रवास करने के संकेत मलिे हैं। इस बात की पुष्टि करने के लयि अक्तूबर-नवंबर में होने वाले प्रवास का इंतज़ार करना होगा, क्योंकि इसी समय ततिलियों में वास्तवकि प्रवास देखने को मलिता है।

## स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/migration-of-butterflies-in-south-india